

भारत में महिला उद्यमी

यह एडिटरियल 17/12/2021 को 'द हट्टि' में प्रकाशित "Obstacles Of Being A Female Entrepreneur In A Male-Dominated Business" लेख पर आधारित है। इसमें पुरुष-प्रधान रूढ़िबद्ध व्यवसायों में महिला उद्यमियों के समक्ष मौजूद चुनौतियों पर चर्चा की गई है।

संदर्भ

आदिकाल से ही महिलाएँ अनेक अत्याचारों का शिकार रही हैं। यद्यपि लैंगिक समानता संबंधी आंदोलन वशिव के अधिकांश हस्सिों में गतिपिकड़ रहे हैं, कति लैंगिक समानता की यह लड़ाई कोई नई बात नहीं है।

नसिंदेह, जब से महिलाओं के अधिकारों को लेकर ये आंदोलन शुरू हुए हैं तब से महिलाओं ने एक लंबा सफर तय किया है और पुरुषों के वर्चस्व वाले क्षेत्रों सहित सभी क्षेत्रों में स्वयं को साबित किया है।

हालाँकि, आज भी महिलाएँ लिंग-आधारित और अन्य संबंधित सामाजिक पूर्वाग्रहों की कई चुनौतियों का सामना किये बिना शायद ही कभी जीत हासिल कर पाती हैं।

इस संदर्भ में, समाज में नेतृत्व और उद्यमशीलता की भूमिका चुनने के लिये महिलाओं को सक्षम बनाने में समाज, सरकार और स्वयं महिलाओं की एक प्रमुख भूमिका है।

भारत में उद्यमिता और महिलाएँ:

- **महिला उद्यमियों का कम प्रतिनिधित्व:** हाल के दशकों में भारत में तीव्र आर्थिक वृद्धि के बावजूद, अभी भी महिला उद्यमियों का संख्या काफी कम है।
 - भारत में केवल 20% उद्यम महिलाओं के स्वामित्व वाले हैं (जो कि 22 से 27 मिलियन लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करते हैं) और **कोविड-19** महामारी ने महिलाओं उद्यमियों के इस प्रतिशत को ओर अधिक प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है।
- **स्टार्टअप में महिलाओं का प्रतिनिधित्व: केवल 6% महिलाएँ भारतीय स्टार्टअप की संस्थापक हैं।**
 - वर्ष 2018-2020 के मध्य कम-से-कम एक महिला सह-संस्थापक वाले स्टार्टअप द्वारा केवल 5% फंडिंग ही जुटाई जा सकी और केवल एकमात्र महिला संस्थापकों वाले स्टार्टअप कुल निवेशक फंडिंग का केवल 1.43% हिस्सा ही प्राप्त कर सके।
- **क्षेत्रवार प्रतिनिधित्व:** इकट्टी व्यापार के स्वामित्व के मामले में भारत के विभिन्न क्षेत्र (मुख्य रूप से कागज़ और तंबाकू उत्पादों से संबंधित) में महिलाओं द्वारा धारित हिस्सेदारी 50% से भी अधिक है।
- हालाँकि कंप्यूटर, मोटर वाहन, धातु उत्पादों, मशीनरी और उपकरणों से संबंधित उद्योगों में महिलाओं की 2% या उससे भी कम की हिस्सेदारी देखी जाती है।
- **भारत की पहल:** भारत सरकार द्वारा **स्त्री शक्ति पैकेज, उद्योगिनी योजना, महिला उद्यम नधि योजना, स्टैंड अप इंडिया योजना, महिला ई-हाट, महिला बैंक, महिला कॉयर योजना और महिला उद्यमिता मंच (WEP)** जैसी पहल के माध्यम से महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में कई कदम उठाए गए हैं।

महिला उद्यमियों के समक्ष चुनौतियाँ:

- **क्षमताओं पर रूढ़िवादिता:** महिलाओं को प्रायः पुरुषों के विपरीत 'शारीरिक रूप से कमज़ोर' माना जाता है, जबकि पारंपरिक रूप से पुरुषों को संरक्षक और रक्षक के रूप में देखा जाता है।
 - यद्यपि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि पुरुष और महिला शारीरिक रूप से भिन्न हैं, भले ही एक औसत पुरुष एक औसत महिला की तुलना में शारीरिक रूप से अधिक मज़बूत हो, लेकिन यह मानने का कोई औचित्य नहीं है कि प्रत्येक महिला शारीरिक रूप से कमज़ोर है।
- **'मसतषिक' क्षमता का आकलन करने हेतु जैविक पहलुओं का उपयोग करना:** एक पुरानी धारणा यह रही है कि पुरुष अधिक तार्किक होते हैं, जबकि

- महिलाओं को अधिक सहानुभूतपूर्ण माना जाता है, जिसके परिणामस्वरूप प्रायः महिलाओं को कुछ नश्वरि वयवसार्थों तक सीमति कर दयिा जाता है ।
- हालॉक यह तरक सतही तौर पर कुछ लोंगों के लयि तारककि हो सकता है, लेकनि जब इसका उपयोंगमहिलाओं को कुछ कषेत्रों में प्रवेश करने से रोकने के लयि कयिा जाता है तो इसका कोई अरथ नहीं रह जाता ।
 - पतिसत्तात्मक और पारवारिकि बाधारैः भले ही बहुत सी महिलाओं के पास ऐसे कषेत्रों में शीरष पर पहुँचने की कषमता और इचछा होती है, लेकनि वे अकसर समाज की पतिसत्तात्मक वयवस्था द्वारा अपने सपनों को नकार देती हैं ।
 - अंतरनहिति पूरवारग्रह और चतिारै, की बेटयिाँ पुरुष-उनमुख कषेत्र में स्वयं को कसि प्रकार बनाए रखेंगी, भी उन्हें प्रगतिकरने से रोकती हैं ।
 - इन्ही चतिारों के परिणामस्वरूप कई कषेत्रों में महिला प्रतनिधियों की संख्या में भारी कमी आ जाती है, जोकेवल लयि असंतुलन को और खराब करता है ।
- **फंड से संबंघति बाधारैः** महिला उद्यमयिों के लयि फंड और स्पॉन्सरशपि तक आसान पहुँच तथा बुनयिादी समरथकों से वंचति होना कोई नई बात नहीं है ।
 - बहुत से लोंगों को वतित के कषेत्र में महिलाओं की कषमताओं के बारे में आपत्ता है कयोंक यह परंपरागत रूप से एक पुरुष-प्रधान कषेत्र है जसिे इसका 'तारककि' आधार बनाया जाता है ।
 - **महिला सलाहकारों की कमी:** कम महिला वयवसाय संस्थापकों के साथ महिलाओं का नेटवरक, जो साथी महिला उद्यमयिों को सलाह दे सकता है, फलस्वरूप काफी छोट्टा है ।
 - महिला-स्वामितिव वाले स्टार्टअप के लयि एक प्रमुख बाधा महिलाओं के लयि रोल मॉडल की कमी है ।
 - महिलाओं के लयि वयवसायिकि नेटवरक के मूल्य को अधिकितम करना भी कठनि है ।

आगे की राह:

- **महिलाओं को नेतृत्व के लयि प्रोत्साहति करने वाली सुवधारै प्रदान करना:** देश के आधे संभावति कारयबल को सशक्त बनाना लैंगकि समानता को बढावा देने के अलावा महत्त्वपूरण आरथकि लाभ भी प्रदान करता है ।
 - महिला उद्यमतिा के प्रमुख चालक बुनयिादी ढाँचे और शकिषा में नविश है, जो भारत में महिलाओं द्वारा शुरु कयि गए वयवसार्थों के उचच अनुपात की भवषियवाणी करते हैं ।
 - बेहतर शकिषा और स्वास्थय, महिला शर्म-बल की भागीदारी को बढावा दे सकता है, भेदभाव और वेतन अंतर को भी कम कर सकता है और बेहतर कॅरियर-उन्नतति प्रथाओं एवं प्रयासों को प्रोत्साहति कर सकता है ।
- **महिलाओं को प्रोत्साहति करने के लयि महिलाओं को बढावा देना:** 'जेंडर नेटवरक' नसिसंदेह उद्यमतिा के लयि मायने रखता है । संबंघति उद्योगों और स्थानीय वयवसार्थों में उचच महिला स्वामितिव अधिकि सापेकष महिला प्रवेश दर सुनश्वरि कर सकता है ।
 - यहाँ मौजूदा महिला उद्यमयिों को एक महत्त्वपूरण भूमकिा नभिानी है कयोंक वे अनय महत्त्वकांक्षी महिला उद्यमयिों तक पहुँच स्थापति कर सकती हैं और अपने स्वयं के जल्लिों, उद्योगों या कारयकषेत्र के भीतर और उन्हें मार्गदर्शन प्रदान कर सकती हैं ।
 - वे वशिष रूप से स्थानीय वयवसार्थों की मालकि बनने की इचछुक महिलाओं के लयि सेमिनार या कारयशालारै भी आयोजति कर सकते हैं ।
- **महिला नविशकों को प्रोत्साहति करना:** अधकिांश नविशक समूह पुरुषों से बने होते हैं और उनके नेतृत्व में होते हैं, जसिके चलते नविश समतियिाँ अधकिांशतः पुरुष-प्रधान होती हैं । 'एंजल इनवेस्टर्स' में सरिफ 2% महिलाएँ ही हैं ।
 - ऐसे अचेतन पूरवारग्रहों को दूर करने के लयि कम-से-कम एक या अधिक महिला नविशकों को नविश समूह में शामिल कयिा जा सकता है ।
 - यदनिरिणय लेने वाले समूह में लयि की वविधिता है, तो इस बात की संभावना अधिकि है कधि न चाहने वाली महिला को नषिपकष सुनवाई मल्लिगी और संभवतः अधिकि अनुकूल निरिणय प्रापूत होंगे ।
- **सरकार की भूमकिा:** अधकिांश महिला उद्यमयिों की राय है कप्रशकिषण की कमी के कारण वे बाज़ार में प्रतसिप्रदधा नहीं कर पाती हैं । सरकार को नई उत्पादन तकनीकों, बकिरी तकनीकों आदि के लयि लगातार प्रशकिषण कारयक्रम आयोजति करना चाहयि और इसे महिला उद्यमयिों के लयि अनविरय बनाना चाहयि ।
 - सरकार महिला उद्यमयिों को प्रोत्साहति करने, ऋण के लयि सबसडी बढाने और स्थानीय स्तर पर महिला उद्यमयिों को माइक्रो क्रेडिट प्रणाली और उद्यम ऋण प्रणाली के प्रावधान करने के लयि ब्याज़ मुक्त ऋण भी प्रदान कर सकती है ।

नषिकरष

- महिला सशक्तीकरण हेतु कयि गए तमाम प्रयासों के बाद भी, महिलाओं को जीवन एवं कारय के सभी कषेत्रों में निरिवविाद रूप से संघरष का सामना करना पड रहा है और अभी भी पतिसत्ता खतम नहीं हो सकी है ।
- भारत को \$5 ट्रिलियन की अरथवयवस्था बनने के लयि, महिलाओं द्वारा उद्यमतिा को इसके आरथकि वकिास में एक बडी भूमकिा नभिानी चाहयि । भारत का लयि संतुलन दुनयिा में सबसे कम है और इसे सुधारना न केवल लैंगकि समानता के लयि बलकपूरी अरथवयवस्था के लयि महत्त्वपूरण है ।

अभ्यास प्रश्न:

पुरुष-प्रधान वयवसार्थों में महिला उद्यमयिों के समकष मौजूद चुनौतियिों पर चरचा कीजयि ।

